



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

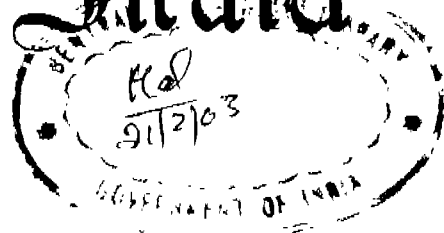
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 749]

No. 749]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 21, 2002/श्रावण 30, 1924

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 21, 2002/SRAVANA 30, 1924

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 2002

आय-कर

का.आ. 893(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ के खण्ड (5ग) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (बाईसवां संशोधन) नियम, 2002 है।

(2) ये 3 फरवरी, 2002 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 में,—

(i) नियम 18ककक के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“गुजरात में भूकंप पीड़ितों को राहत देने के लिए न्यासों या निधियों या संस्थाओं से पृथक् लेखे प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए विहित प्राधिकारी

18कककक (1) धारा 80छ की उपधारा (5ग) के प्रयोजन के लिए आय-कर महानिदेशक (छूट) विहित प्राधिकारी होगा।

(2) न्यास निधि या संस्था जो पूर्ण प्रयोजन के लिए भारत में स्थापित है और उपधारा (5) के खंड (vi) के निबंधनों के अनुसार अनुमोदित है, गुजरात में भूकंप पीड़ितों को राहत देने के लिए आय और व्यय के पृथक् लेखे रखेगी और धारा 288 की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण में यथा परिभाषित लेखाकार द्वारा ऐसे लेखाओं की संपरीक्षा करवाएगी और ऐसे लेखाकार द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित और सत्यापित ऐसी संपरीक्षा की रिपोर्ट प्ररूप सं. 10कक में आय-कर महानिदेशक (छूट) को प्रस्तुत करेगी ऐसा प्राधिकारी, उक्त प्ररूप में लेखाओं की प्राप्ति पर इस बारे में कि गुजरात में भूकंप पीड़ितों को राहत देने के प्रयोजन के लिए प्राप्त दान यथास्थिति धारा 10 के खंड (23ग) के अधीन या धारा 12 के अधीन न्यासों या निधि या संस्था के हाथों में कर के लिए प्रभार्य है या नहीं अपने निष्कर्ष देगा और उसकी सीमा अवधारित करेगा।

(3) जहां आय-कर महानिदेशक (छूट) के निष्कर्ष निर्धारिती के लिए फायदाप्रद नहीं है वहां ऐसा प्राधिकारी निष्कर्ष देने के पूर्व निर्धारिती को एक अवसर देगा।

(4) आय-कर महानिदेशक (छूट) ऐसे निष्कर्ष देने के एक मास के भीतर संबद्ध निर्धारण अधिकारी को अपने निष्कर्षों की जानकारी देगा।”;

(ii) परिशिष्ट II में प्ररूप सं. 10क के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“प्ररूप सं. 10कक

(नियम 18कककक देखिए)

गुजरात में भूकंप पीडितों को राहत देने के लिए आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 80छ (5ग) (v) के अधीन लेखों के ब्यौरे

I. साधारण ब्यौरे

- (क) न्यास निधि, संस्था का नाम और पता
- (ख) रजिस्ट्रीकरण सं./तारीख
- (ग) स्थायी लेखा सं.
- (घ) धारा 80छ के अधीन अनुमोदन देने वाला प्राधिकारी
- (ङ) अनुमोदन की संख्या और तारीख

II. गुजरात भूकंप राहत के लिए परियोजना के ब्यौरे

- (क) परियोजना की प्रकृति
- (ख) प्रारंभ की तारीख
- (ग) समापन की तारीख
- (घ) दान द्वारा जुटाई गई रकम
- (ङ) शाखावार बैंक खाता संख्यांक जिसमें दान प्राप्त हुआ है

III. 26-2-2001 से 31-3-2003 तक के दौरान न्यास/निधि/संस्था द्वारा चलाई जा रही अन्य परियोजनाओं के ब्यौरे

परियोजना का नाम	प्रकृति	प्रारंभ की तारीख	समापन की तारीख
(क)			
(ख)			
(ग)			
(घ)			

IV. 26-1-2001 से 30-9-2001 के दौरान प्राप्तियों के ब्यौरे (रुपयों में)

- (i) कुल प्राप्तियां
- जिसमें से
- (ii) दानों के माध्यम से प्राप्त रकम
- जिसमें से

- (iii) गुजरात भूकंप राहत के लिए दान के माध्यम से प्राप्त रकम
जिसमें से
- (iv) गुजरात भूकंप राहत के प्रयोजन के लिए 31-3-2003 को या उससे पूर्व व्यय की गई रकम
- (v) उपयोग में न लाई गई रकम, जो प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत निधि में 31-3-2003 को या उसके पूर्व अंतरित की गई है
- (vi) गुजरात भूकंप राहत के लिए व्यय न की गई रकम
- (vii) उपयोग में न ली गई रकम जो प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत निधि में 31-3-2003 के पश्चात् अंतरित की गई है
- (viii) 30-9-2001 के पश्चात् गुजरात भूकंप राहत के लिए दान के माध्यम से प्राप्त रकम
- (ix) गुजरात भूकंप राहत के लिए प्राप्त दान की रकम जो धारा 12 या धारा 10(23ग) के अधीन कर से प्रभार्य है।

V. 26-1-2001 से 30-9-2001 के दौरान व्यय के ब्यौरे (रुपयों में)

(कृपया अनुमोदन की प्रति संलग्न करें)

मद	संदत्त कुल रकम	अंतिम संदाय की तारीख
(i)	चिकित्सीय सहायता की व्यवस्था	
(ii)	मकानों और भवनों का सन्निर्माण	
(iii)	शिक्षा और विद्यालयों के निर्माण आदि के लिए	
(iv)	अवसंरचनात्मक सृजन	
(v)	कोई अन्य प्रयोजन (कृपया विनिर्दिष्ट करें)	

*मैंने/हमनेन्यास/निधि/संस्था (स्थायी लेखा संख्या.....) की उस अवधि से संबंधित लेखा बहियों की जिसके अंतर्गत तुलन पत्र और लाभ और हानि लेखा भी हैं, जांच कर ली है जिसके लिए, गुजरात भूकंप राहत कार्य के प्रयोजन के लिए उक्त न्यास/निधि/संस्था द्वारा दान प्राप्त किए गए थे और उन्हें उपयोग में लाया गया था।

*मैंने/हमने वह सभी जानकारी और स्पष्टीकरण, जो मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार संपरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे, प्राप्त कर लिए हैं। मेरी/हमारी राय में निर्धारित द्वारा गुजरात भूकंप राहत कार्य के प्रयोजन के लिए प्राप्त और उपयोग में लाए गए दान की बाबत पृथक् लेखा बहियां रखी गई हैं।

*मेरी/हमारी राय में और मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा मुझे/हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त लेखे सही और ठीक चित्र प्रस्तुत करते हैं।

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर

लेखाकार''

[अधिसूचना सं. 228/2002/फा. सं. 142/21/2002-टीपीएल]

डा. धीरज भटनागर, निदेशक (टीपीएल-II)

स्पष्टीकारक ज्ञापन

1. आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 80छ में कतिपय पात्र न्यासों निधियों या संस्थाओं को किए गए दान के मद्दे कटौतियों के उपबंध हैं। कतिपय न्यासों, निधियों या संस्था के संबंध में दान की रकम के 100 प्रतिशत पर कटौती उपलब्ध है जबकि अन्य पर 50 प्रतिशत कटौतियां उपलब्ध हैं।

2. 26 जनवरी, 2001 को गुजरात भूकंप के पश्चात् 3 फरवरी, 2001 को कराधान विधि (संशोधन) अध्यादेश, 2001 लाया गया था। गुजरात भूकंप पीड़ितों को राहत के प्रयोजन के लिए कतिपय अनुमोदित पूर्त न्यासों, निधियों या संस्थाओं को 30 सितंबर, 2001 को या उसके पूर्व किए गए दान की दशा में 100 प्रतिशत की दर पर धारा 80छ के अधीन कटौती का उपबंध करने के लिए संशोधन प्रभावी था। तत्पश्चात् संसद द्वारा कराधान विधि (संशोधन) अधिनियम पारित किया गया। वित्त विधेयक, 2002 में ऐसी निधियों की उपयोगिता की तारीख 31-3-2002 से बढ़ाकर 31-3-2003 कर दी गई है।

3. परिणामस्वरूप उपयोग में न लाई गई निधियों के, यदि कोई हैं, प्रधानमंत्री राहत निधि में अंतरण के लिए भी अंतिम तारीख 31-3-2002 से बढ़ाकर 31-3-2003 कर दी गई है।

4. अधिसूचना में यह विहित है कि नए नियम के अधीन आय-कर महानिदेशक (स्टूट) प्राधिकारी होंगे। अधिसूचना में यह भी विहित है कि गुजरात में भूकंप पीड़ितों को राहत देने के लिए आय और व्यय के पृथक् लेखे रखे जाने हैं और ऐसे लेखे किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा संपरीक्षित किए जाएं हैं और आय-कर नियम के प्ररूप सं. 10कक में रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी है।

5. प्रमाणित किया जाता है कि आय-कर नियम के नए नियम 18कककक को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करने से किसी निर्धारिती के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पाट टिप्पणी :—प्रमुख नियम दिनांक 26 मार्च, 1962 की अधिसूचना संख्या का.आ. 969 के अन्तर्गत प्रकाशित किए गए थे जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है, ऐसा अन्तिम संशोधन दिनांक 13-8-2002 की अधिसूचना संख्या 207/2002 के तहत किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 21st August, 2002

INCOME TAX

S.O. 893(E).—In exercise of powers conferred by Section 295 read with clause(5C) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to Income-tax Rules, 1962, namely:—

- 1 (1) These rules may be called the Income-tax (22nd Amendment) Rules, 2002.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 3rd day of February 2002
2. In the Income-tax Rules, 1962,—

(i) after rule 18AAA, the following shall be inserted, namely:—

“Prescribed authority for the purpose of receiving separate accounts from trusts or funds or institutions for providing relief to the victims of earthquake in Gujarat

18AAAA. (1) For the purpose of Sub-section (5C) of Section 80G, the prescribed authority shall be the Director General of Income-tax (Exemptions).

(2) The trust, the fund or the institution, which is established in India for a charitable purpose and is approved in terms of clause (vi) of Sub-section (5) shall maintain separate accounts of income and expenditure for providing relief to the victims of earthquake in Gujarat and get such accounts audited by an accountant, as defined in the Explanation to Sub-section (2) of Section 288 and furnish the report of such audit, duly signed and verified by such accountant to the Director General of Income-tax (Exemptions) in Form No. 10AA. Such authority, on receipt of the accounts in the said form, shall give the finding as to whether the donations received for the purpose of providing relief to the victims of earthquake in Gujarat are chargeable to tax in the hands of the trusts or the fund or the institution under clause (23C) of Section 10 or under Section 12 or not, as the case may be, and determine the extent thereof

(3) Where the findings of the Director General of Income-tax (Exemptions) are not beneficial to the assessee, such authority shall give an opportunity to the assessee before making the findings.

(4) The Director General of Income-tax (Exemptions) shall bring his findings to the knowledge of the concerned assessing officer within one month of making such findings.”;

(ii) In Appendix-II, after Form Number 10A, the following Form shall be inserted, namely :—

“FORM NO. 10AA

[Sec rule 18AAAA]

Details of accounts under section 80G(5C)(v) of the Income-tax Act, 1961, for providing relief to the victims of earthquake in Gujarat.

I GENERAL DETAILS

- (a) Name and address of the trust/fund/institution:— _____
- (b) Registration No./Date :— _____
- (c) Permanent Account No. :— _____
- (d) Authority granting approval under section 80-G :— _____
- (e) Number and date of approval :— _____

II DETAILS OF PROJECT FOR GUJARAT EARTHQUAKE RELIEF

- (a) Nature of project:— _____
- (b) Date of commencement:— _____
- (c) Date of completion:— _____
- (d) Amount raised by donation:— _____
- (e) Branch-wise Bank Account numbers in which donations received. _____

III DETAILS OF OTHER PROJECTS BEING RUN BY THE TRUST/FUND/INSTITUTION DURING 26-1-2001 TO 31-3-2003

	Name of the project	Nature	Date of commencement	Date of completion
(a)	_____			
(b)	_____			
(c)	_____			
(d)	_____			

IV DETAILS OF RECEIPTS DURING 26-1-2001 TO 30-9-2001 (In Rs.)

- (i) Total receipts:— _____
Out of which
- (ii) Amount received through donations :— _____
Out of which
- (iii) Amount received through donations for Gujarat earthquake relief :— _____
Out of which
- (iv) Amount spent on or before 31-3-2003 for the purpose of Gujarat earthquake relief:— _____
- (v) Amount unutilised, which is transferred to Prime Minister's National Relief Fund on or before 31-3-2003:— _____
- (vi) Amounts not spent for Gujarat earthquake relief :— _____
- (vii) Amount unutilised, which is transferred to Prime Minister's National Relief Fund after 31-3-2003:— _____
- (viii) Amount received through donations for Gujarat earthquake relief after 30-9-2001:— _____
- (ix) Amount of donations received for Gujarat earthquake relief, which is chargeable to tax under section 12 or section 10(23C) :— _____

26270/02-2

V. DETAILS OF EXPENDITURE DURING 26-1-2001 TO 30-9-2001 (In Rs.)*(Please enclose copy of approval)*

	Item	Total amount paid	Date of last payment
(i)	Provision of medical relief: _____		
(ii)	Construction of houses and buildings: _____		
(iii)	Towards education & building of schools etc. : _____		
(iv)	Infrastructure creation: _____		
(v)	Any other purpose (please specify): _____		

*I/We have examined the books of accounts including the balance sheet and the profit and loss account of the trust/fund/institution _____ (Permanent Account No. _____) relating to period for which donations were received and utilised by the said trust/fund/institution for the purpose of Gujarat earthquake relief work.

*I/We have obtained all the information and explanations which to the best of *my/our knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In *my/our opinion, separate books of account have been kept by the assessee in respect of donations received and utilised for the purpose of Gujarat earthquake relief work.

In *my/our opinion and to the best of *my/our information and according to explanations given to *me/our opinion and to the best of *my/our information and according to explanations given to *me/us, the said accounts give a true and fair view.

Place... ..

Date... ..

Signed

Accountant"

[Notification No. 228/2002/F.No. 142/21/2002-TPL]

DR. DHEERAJ BHATNAGAR,

Director (TPL-II)

EXPLANATORY MEMORANDUM

Section 80G of the Income Tax Act, 1961 provides for deduction on account of donation made to certain eligible trusts, funds or institutions. In respect of certain trusts, funds or institution the deduction is available at 100% of the amount of donation, while for others the deduction is available at 50%.

2. Following the Gujarat earthquake on 26th January, 2001 the Taxation Laws (Amendment) Ordinance, 2001 was brought in on 3rd February, 2001. The amendment had the effect of providing deduction under section 80G at the rate of 100% in case of donations made on or before 30th September, 2001 to certain approved charitable trusts, funds or institutions, for the purpose of relief to the victims of Gujarat earthquake. Subsequently, the Taxation Laws (Amendment) Act was passed by the Parliament. The Finance Bill, 2002 has extended the date of utilization of such funds from 31-3-2002 to 31-3-2003.

3. Consequently, the final date for the transfer of unutilised funds, if any, to Prime Minister's Relief Fund has also been extended from 31-3-2002 to 31-3-2003.

4. The notification prescribes that the Director General of Income Tax (Exemptions) would be the authority under the new rule. The notification also prescribes that separate accounts of Income and Expenditure for providing relief to the victims of earthquake in Gujarat are to be maintained and such accounts are to be audited by a Chartered Accountant, and that a report be furnished in form No. 10AA of the Income Tax Rules.

5. It is certified that the retrospective application of the new rule 18AAAA of the Income Tax Rules shall not prejudicially affect the interest of any assessee.

Note : The principal rules were published under Notification No. 969 dated 26th of March, 1962 which has been amended from time to time and the last such amendment was made vide Notification No. 207/2002 dated 13-8-2002.